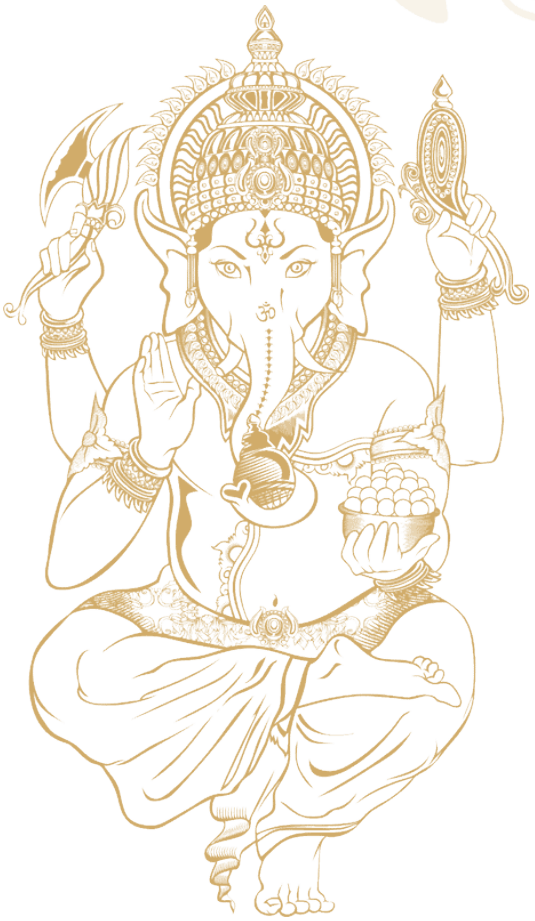

????

04 Dec 1976

04:50 AM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121315306

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/12/1976**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:50:00 घंटे**
इष्ट	55:08:55 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:29:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:09 घंटे
साम्पातिक काल	09:21:29 घंटे
सूर्योदय	06:46:26 घंटे
सूर्यास्त	17:33:33 घंटे
दिनमान	10:47:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:24:14 वृश्चिक
लग्न के अंश	21:59:03 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	21:59:03	317:59:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	18:24:14	01:00:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	18:04:00	11:47:16	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	15:48:05	00:43:30	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध			धनु	02:50:32	01:30:16	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		वृष	00:31:32	00:07:23	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	29:52:19	01:11:18	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि	व		कर्क	23:18:19	00:00:42	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	09:37:23	00:01:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	09:37:23	00:01:14	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			तुला	16:00:16	00:03:19	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	20:05:02	00:02:16	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	20:06:41	00:01:27	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
दशम भाव			कर्क	24:23:42	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:13

लग्न-चलित

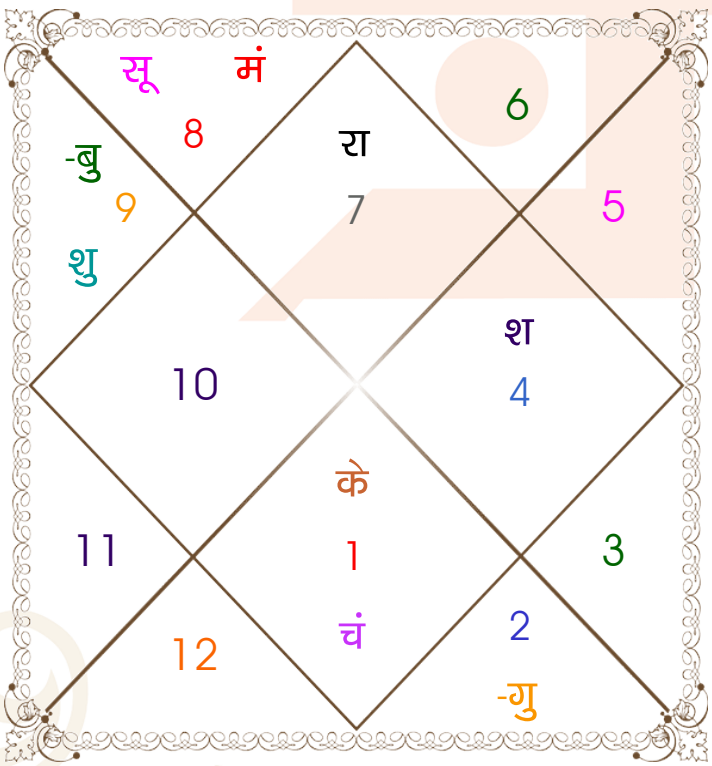

चन्द्र कुंडली

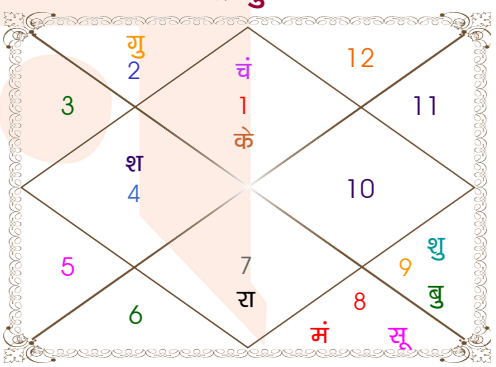

नवमांश कुंडली

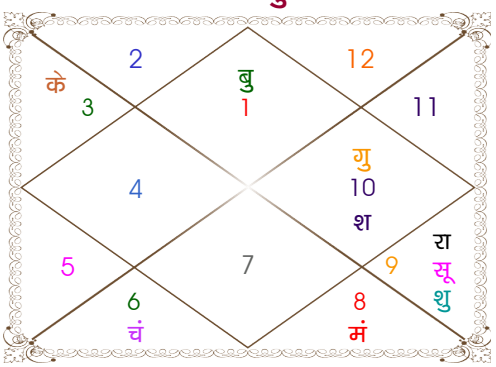

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 10 मास 24 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
04/12/1976		28/10/1989		29/10/1995		28/10/2005		28/10/2012	
28/10/1989		29/10/1995		28/10/2005		28/10/2012		29/10/2030	
	00/00/0000	सूर्य	15/02/1990	चंद्र	28/08/1996	मंगल	26/03/2006	राहु	11/07/2015
	00/00/0000	चंद्र	17/08/1990	मंगल	29/03/1997	राहु	14/04/2007	गुरु	04/12/2017
	04/12/1976	मंगल	22/12/1990	राहु	28/09/1998	गुरु	20/03/2008	शनि	10/10/2020
मंगल	28/12/1976	राहु	16/11/1991	गुरु	28/01/2000	शनि	29/04/2009	बुध	29/04/2023
राहु	29/12/1979	गुरु	03/09/1992	शनि	28/08/2001	बुध	26/04/2010	केतु	17/05/2024
गुरु	29/08/1982	शनि	16/08/1993	बुध	28/01/2003	केतु	22/09/2010	शुक्र	17/05/2027
शनि	28/10/1985	बुध	23/06/1994	केतु	29/08/2003	शुक्र	22/11/2011	सूर्य	10/04/2028
बुध	28/08/1988	केतु	29/10/1994	शुक्र	29/04/2005	सूर्य	29/03/2012	चंद्र	10/10/2029
केतु	28/10/1989	शुक्र	29/10/1995	सूर्य	28/10/2005	चंद्र	28/10/2012	मंगल	29/10/2030

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/10/2030		29/10/2046		28/10/2065		29/10/2082		28/10/2089	
29/10/2046		28/10/2065		29/10/2082		28/10/2089		00/00/0000	
गुरु	16/12/2032	शनि	31/10/2049	बुध	26/03/2068	केतु	27/03/2083	शुक्र	27/02/2093
शनि	29/06/2035	बुध	11/07/2052	केतु	23/03/2069	शुक्र	26/05/2084	सूर्य	27/02/2094
बुध	04/10/2037	केतु	19/08/2053	शुक्र	22/01/2072	सूर्य	01/10/2084	चंद्र	29/10/2095
केतु	10/09/2038	शुक्र	19/10/2056	सूर्य	28/11/2072	चंद्र	02/05/2085	मंगल	04/12/2096
शुक्र	11/05/2041	सूर्य	01/10/2057	चंद्र	29/04/2074	मंगल	28/09/2085		00/00/0000
सूर्य	27/02/2042	चंद्र	02/05/2059	मंगल	26/04/2075	राहु	16/10/2086		00/00/0000
चंद्र	29/06/2043	मंगल	10/06/2060	राहु	13/11/2077	गुरु	22/09/2087		00/00/0000
मंगल	04/06/2044	राहु	17/04/2063	गुरु	18/02/2080	शनि	31/10/2088		00/00/0000
राहु	29/10/2046	गुरु	28/10/2065	शनि	29/10/2082	बुध	28/10/2089		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।